



सांध्य दैनिक 4PM



विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube 4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 242 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 10 अक्टूबर, 2026

भारत के 249 रन पर भारी पड़े... 7 विस चुनाव से पहले सियासत से... 3 किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब... 2

देश में अघोषित आपातकाल!

जल, थल, नभ सभी जगह पुलिस का पहरा

- » सीजेपी नेताओं को पुलिस ने विमान में ही दबोचा, जंतर मंतर पर प्रदर्शनकारी गिरफ्तार
- » ध्रुव राठी भी पुलिस के घेरे में, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर रद्द करने की मांग पर आर पार
- » वोट का हिसाब मांगा तो मिला पुलिस का पहरा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नयी तस्वीर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कभी देश को अंग्रेजों से आजादी दिलाने के लिए जनता सड़क पर उतरी जेल गयी लाठियां खायी और फांसी के फंदे चूम लिए उसी देश में आज युवा अपने वोटों का हिसाब मांगने निकलें तो उनका रास्ता रोक लिया गया।

चुनाव आयोग से सवाल पूछें तो पुलिस पीछे पड़ गयी। दिल्ली पहुंचने के लिए हवाई जहाज में बैठें तो मंजिल पर उतरने से पहले ही डिटेन कर लिये गये। जंतर मंतर पर अपनी बात रखने के लिए पहुंचे तो पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।



छावनी बनी राजधानी

भाजपा चुनाव आयोग का इस्तेमाल गरीबों के अधिकार छीनने कर रही : हरपाल सिंह चीमा

पंजाब के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बयान जारी करते हुए कहा है कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने गरीबों को वोट देने का अधिकार दिलाने के लिए एक बड़ा संघर्ष किया था। आज मेरा मानना है कि भाजपा चुनाव आयोग का इस्तेमाल गरीबों के अधिकार छीनने और उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित करने के लिए कर रही है। अब यह पूरा मामला जनता के सामने आ गया है। सीजेपी



पूरे देश में प्रदर्शन कर रही है। उनकी मांग है कि सीईसी को तुरंत हटाया जाए और उन पर मुकदमा दर्ज किया जाए।

मुददा आंदोलन का नहीं मुददा वोट का है

यहां मुददा किसी एक पार्टी किसी एक नेता या किसी एक आंदोलन का नहीं है। मुददा उस वोट का है जिसके दम पर सरकार बनती है एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से नाम हटने जोड़ने और जांच की प्रक्रिया पर गंभीर राजनीतिक विवाद चल रहा है। विपक्ष और आंदोलनकारी चुनाव आयोग से जवाब मांग रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से इस पूरी प्रक्रिया को लेकर अलग पथ रखा गया है। लेकिन सवाल पूछने का अधिकार तो खत्म नहीं हो सकता। आप नेता इसे अघोषित आपातकाल

बता रहे हैं। उनका आरोप है कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर रद्द करने की मांग का जवाब देने के बजाय सरकार आंदोलन को रोकने में जुट गई है। और यही इस कहानी का सबसे बड़ा विस्फोट है अगर सब कुछ ठीक है तो सवाल से इतनी बेचैनी क्यों अगर चुनावी व्यवस्था पर भरोसा है तो नौजवानों को अपनी बात कहने देने में परेशानी क्या है?

47

मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार बंद किए गये।

रेल यातायात पर रोक और आवाजाही में बाधाओं ने आम लोगों को घरों के भीतर रहने के लिए मजबूर कर दिया

प्रदर्शन करना हमारा अधिकार : आराधना मिश्रा

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने जंतर मंतर पर कॉंग्रेस पार्टी के विरोध प्रदर्शन और राहुल गांधी के छात्रों की गुंज अभियान समेत कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि हमारा संविधान हर राजनीतिक दल और संगठन को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार देता है। राजनीतिक दलों और संगठनों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह अपनी राय रखें और सरकार को उसकी गलत नीतियों के लिए जवाबदेह ठहराएं। यदि कोई शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन कर रहा है उसको रोकना लोकतंत्र के खिलाफ है। हालांकि आज ट्रेन रद्द कर दी गई है टोल पर गाड़ियां रोक दी गई हैं और लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। आराधना मिश्रा ने कहा चैनल में राहुल गांधी का छात्रों की गुंज कार्यक्रम है। पहले से तय कार्यक्रम में हमारे सभी वरिष्ठ नेता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इंडी गठबंधन के राष्ट्रपति से मुलाकात पर आराधना ने कहा मैं इंडी गठबंधन के उस प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों को बधाई देती हूँ जो कल राष्ट्रपति से मिलने गए थे। जिस तरह से बातचीत सकारात्मक रही और जैसा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और अन्य सांसदों ने बाहर आकर बताया।



आज की सुबह अजब नजारा

आज की सुबह देश की राजधानी से जो तस्वीरें सामने आयी हैं उसने इस सवाल को और बढ़ा कर दिया है कि क्या देश अघोषित आपातकाल की तरफ आगे बढ़ गया है। क्या देश में आंदोलन करना और सवाल पूछना गुनाह है। क्या इस तरह का आंदोलन पहली बार हो रहा है सवाल अनगिनत हैं और सबके उत्तर एक है कि हाँ इस माहौल को देखकर तो यही लग रहा है कि सरकार से सवाल पूछना अब टैली खीर बन चुका है। क्योंकि आज के आंदोलन के लिए जैसे ही कॉंग्रेस जनता पार्टी नेता अभिजीत दीपके और उनके साथी सौरव दास और आशुतोष रांका फ्लाइट से दिल्ली पहुंचते हैं तो उन्हें पलाइंट के भीतर ही डिटेन कर लिया जाता है। जैसे ही सीजेपी के कार्यकर्ता जंतर मंतर पहुंचते हैं उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। जरा सोचिए अभी आंदोलन शुरू भी नहीं हुआ था नारे गुंजे भी नहीं थे मंच सजा भी नहीं और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को रास्ते में ही रोकने की नौबत आ गई। दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली। राजधानी में भारी पुलिस बल तैनात हुआ। मेट्रो के 47 स्टेशनों के प्रवेश द्वार बंद किए गये। रेल यातायात पर रोक और आवाजाही में बाधाओं ने आम लोगों को घरों के भीतर रहने के लिए मजबूर कर दिया। आंदोलनकारियों का आरोप है कि उन्हें दिल्ली पहुंचने से रोकने के लिए देश के अलग अलग हिस्सों में पुलिस ने कार्यवाई की। सवाल सिर्फ दिल्ली का नहीं है मुंबई में जल्द ही हो गया।



मी महत्वा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने अगरस्त क्रांति मैदान पर आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन का आह्वान किया था। वहां भी पुलिस की अनुमति को लेकर विवाद खड़ा हुआ। अलग अलग शहरों में एक ही सवाल गुंज रहा है क्या सरकार को अपने खिलाफ उठने वाली आवाज से इतना डर लगाने लगा है कि आंदोलनकारियों को दिल्ली पहुंचने से पहले ही रोकना जरूरी हो गया।

हमारा संविधान हर राजनीतिक दल और संगठन को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार देता है।



चुनाव आयोग से सवाल पूछें तो पुलिस पीछे पड़ गयी

विपक्ष और आंदोलनकारी चुनाव आयोग से जवाब मांग रहे हैं।



पूरे देश में विपक्षी पार्टियां छात्र संगठन और नागरिक आवाज उठा रहे हैं, लेकिन सरकार सीईसी के इस्तीफे और एसआईआर को रद्द करने के बजाय अघोषित आपातकाल लागू कर चुकी है।

मुलायम सिंह की चौथी बरसी आज, सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

» पुण्यतिथि पर याद किए गए धरती पुत्र नेता जी
□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी एक्स पर पोस्ट किया कि, समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने लिखा कि, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पद्म विभूषण मुलायम सिंह यादव की

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को उनकी पुण्यतिथि पर सीएम योगी आदित्यनाथ, कई मंत्री और सपा नेताओं ने श्रद्धांजलि दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में कहा कि, देश के पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण मुलायम सिंह यादव की



सपा ने अपने संस्थापक को दी पुष्पांजलि

सपा ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट पर लिखा कि, समाजवादी पार्टी के संस्थापक, भारत के पूर्व रक्षा मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर सादर नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि नेताजी अमर रहे सांसद और बहु डिंपल यादव ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक भारत के पूर्व रक्षा मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि दी।

विभूषण मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि, जन-हित के लिए उनका योगदान सदैव वंदनीय रहेगा। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद ने भी, पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, 'पद्म विभूषण' मुलायम सिंह यादव की

बृजभूषण शरण व तनुज पूनिया ने भी याद किया

बाराबंकी से सांसद तनुज पुनिया ने एक्स पर लिखा कि, समाजवादी विचारधारा के पुरोधा, किसानों एवं वंचितों की आवाज, समाजवादी पार्टी के संस्थापक, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के पूर्व रक्षा मंत्री, 'पद्म विभूषण' श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जी (नेताजी) की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। नेताजी का सम्पूर्ण जीवन जनसेवा, सामाजिक न्याय और सामाजिक सौहार्द के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, संघर्ष और जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेंगे। नेताजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पोस्ट कर लिखा कि देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण से सम्मानित मुलायम सिंह यादव जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। राष्ट्र एवं जनसेवा के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

तेजस्वी यादव ने नमन कर दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद के अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने भी उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, देश के अमृतपूर्व रक्षामंत्री, समाजवादी पार्टी के संस्थापक, समाजवाद के सशक्त हस्ताक्षर परम श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जी की पुण्यतिथि पर

भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं सादर नमन किया। उन्होंने लिखा कि समाज में समानता, न्याय और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए जीवनपर्यंत आपके द्वारा किए गए अथक प्रयास उपेक्षित व वंचित वर्गों को सदैव साहस और प्रेरणा देते रहेंगे।

पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में कहा कि, उत्तर प्रदेश के

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा : अखिलेश

सीजेपी के प्रदर्शन से पहले बोले सपा प्रमुख- बादशाहों का बंदोबस्त है बख्तरबंद

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा प्रमुख ने एनडीए सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि सरकार आंदोलन को रोकने की कोशिश न करे। अखिलेश यादव ने जंतर-मंतर पर होने जा रहे प्रदर्शन को अपने समर्थन का ऐलान किया है। सपा सुप्रीमो भाजपा को चेतावनी भी दी। बात दे दिल्ली में जंतर-मंतर पर आज मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के साथ ही कई संगठनों का जुटने का आह्वान है। जिसको लेकर दिल्ली पुलिस की सख्ती को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने युवाओं के समर्थन का ऐलान कर दिया है। सपा चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा। उन्होंने इसको लेकर सुबह-सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है, जिसमें आंदोलन के समर्थन की बात कही है। अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, किसी के रोके नहीं रुकेगा अब दिल्ली में देश जुटेगा! हम देश की युवा ऊर्जा के साथ हैं। भाजपा सरकार अगर समझ रही है कि वो ताकत के बल पर जनता को रोक लेगी तो ये उसकी और भी बड़ी भूल साबित होगी. 'जंतर-मंतर' अब एक जगह का नाम नहीं, एक नई चेतना और जागरण का प्रतीक बन गया है. अगर सरकार ने आंदोलनकारियों को रोका तो देश में हर जगह जंतर-मंतर बन जाएगा।

बादशाहों का बंदोबस्त है बख्तरबंद

अखिलेश यादव ने अपने अंदाज में बीजेपी पर हमला करते हुए लिखा, माना बादशाहों का बंदोबस्त है बख्तरबंद, पर उन्होंने देखा न जौजवालों का दमखम, यहाँ हैसलों की भी तैयारी है चाकचौबंद, है साथ सब, मानकर इसको अंतिम जंग।



राहुल गांधी, अवधेश व पप्पू यादव पर चलेगा मुकदमा

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी का स्वांग रचने और कथित तौर पर सनातन धर्म का अपमान करने के मामले में सांसद राहुल गांधी, अवधेश प्रसाद और पप्पू यादव के खिलाफ मुकदमा चलेगा। एमपी/एमएलए कोर्ट ने इस मामले में परिवाद के रूप में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश एमपी/एमएलए कोर्ट की मजिस्ट्रेट स्वर्णमाला सिंह की अदालत से पारित किया गया है। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें कहा गया था कि 31 जुलाई 2026 को भारतीय संसद भवन के बाहर भगवा वस्त्र पहनकर राम मंदिर चढ़ावा चोरी की घटना को

रीक्रिएट किया गया। प्रार्थना पत्र में राहुल गांधी, फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद और बिहार से सांसद पप्पू यादव को आरोपी बनाया गया है।

अर्जी में आरोप है कि भगवा वस्त्र और हिंदू धर्म का जानबूझकर अपमान किया गया। इससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई और बहुसंख्यक हिंदुओं के आपसी प्रेम को बिगाड़ने का प्रयास किया गया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि संसद सदस्यों पर साधु का भेष धारण कर दान पत्र से धनराशि चोरी का झमा करने का आरोप है। इससे सनातन धर्म का अपमान हुआ है। कोर्ट ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले को परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया। परिवादी मनीष पांडेय को दो नवंबर को बयान के लिए अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है।

संसद के बाहर चढ़ावा चोरी पर मिमिक्री करने का मामला

युवाओं को कोई नहीं रोक सकता : चिराग पासवान

» दिल्ली में सीजेपी प्रोटेस्ट से पहले पाबंदियों पर बोले एनडीए सरकार के मंत्री
□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने दिल्ली में सीजेपी के प्रदर्शन से पहले यात्रा पाबंदियों से आवाजाही ठप होने के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सुरक्षा उपायों या ट्रेनों के बदलाव से देश के युवाओं का हौसला नहीं दबाया जा सकता। पासवान ने भरोसा जताया कि भारत की युवा पीढ़ी हर परिस्थिति का सामना करने में पूरी तरह सक्षम है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित राजनीतिक प्रदर्शन से पहले किए गए अस्थायी ट्रांजिट बदलावों से लोगों की आवाजाही ठप हो सकती है या देश भर के युवा नागरिकों की आवाज दबाई जा सकती है। राजधानी के मुख्य टर्मिनलों की ओर जाने वाली कुछ यात्री ट्रेनों के रद्द होने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता ने भारत की युवा पीढ़ी की मजबूती और हालात के अनुसार ढलने की क्षमता पर अटूट भरोसा जताया। पासवान ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा के सामान्य उपायों को पूरी तरह से ट्रांजिट नाकेबंदी के तौर पर पेश करने की कोशिशें असल में देश के युवाओं के संकल्प को गलत समझने जैसा है।



उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के प्रबंधन से प्रगति के लिए प्रतिबद्ध आबादी के हौसले या उनकी आवाजाही को कभी नहीं रोका जा सकता। पत्रकारों से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने नेशनल कैपिटल रीजन में यात्रा पर लगी पाबंदियों के बारे में विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब दिया। उन्होंने डरावनी बातें फैलाने वालों को चुनौती दी और बताया कि इतने बड़े और तेजी से चलने वाले राष्ट्रीय नेटवर्क को बंद करना असल में नामुमकिन है।

ट्रांसपोर्ट पर लगी पाबंदियों के बारे में चल रही बातों पर सवाल उठाते हुए पासवान ने पूछा कि असल में कितनी ट्रेनों को रोका जा सकता है या आपस में जुड़े देश में कितनी कनेक्टिविटी को सच में रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सड़कों को जाम करने या कुछ खास रास्तों पर रोक लगाने से देश के युवाओं को नहीं रोका जा सकता; उनमें दुनिया को आगे ले जाने की वैसी ही काबिलियत है जैसी पिछली पीढ़ियों में थी।

कांशीराम ने शोषितों के लिए संघर्ष किया : कांग्रेस

» यूपी कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में श्रद्धापूर्वक मनाई गई मान्यवर की पुण्यतिथि
□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

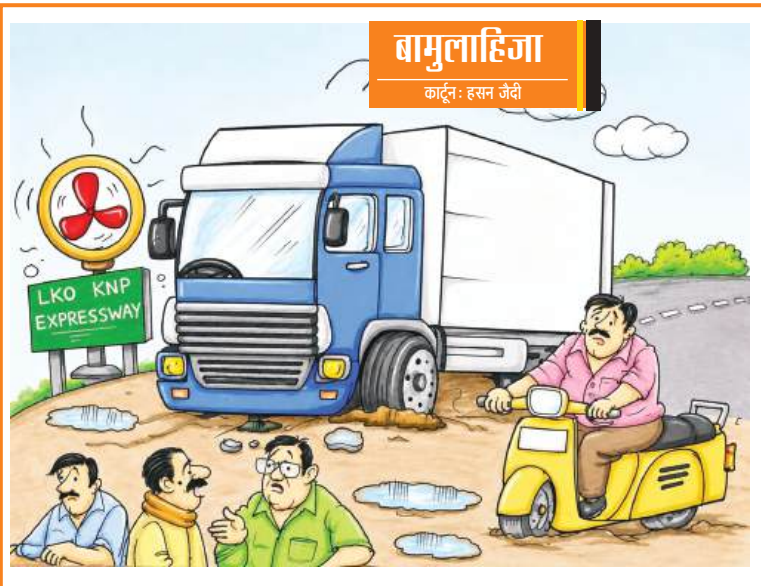
लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आज शोषितों, वंचितों एवं पिछड़ों की आवाज बुलंद करने वाले नेता मान्यवर कांशीराम जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध जनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मान्यवर कांशीराम जी द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को राजनैतिक और सामाजिक रूप से जागरूक



करने के ऐतिहासिक कार्यों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि कांशीराम जी ने अपना पूरा जीवन दबे-कुचले, दलितों और पिछड़ों के अधिकारों की लड़ाई और उन्हें समाज में सम्मान दिलाने के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने देश की राजनीति को एक नई दिशा दी। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने सामाजिक न्याय, समता और बंधुत्व के विचारों को अपनाते हुए

जननायक राहुल गांधी जी द्वारा जिस प्रकार शोषितों, वंचितों एवं पिछड़ों की आवाज बुलंद की जा रही है उसे जन-जन तक पहुँचाया जाएगा और संघर्ष के रास्ते पर चलकर शोषितों के हक की लड़ाई को और मजबूत किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से एचएल दुसाध, डा. आरोपी त्रिपाठी, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, श्रीमती प्रियंका गुप्ता, सचिन रावत, श्रीमती सिद्धि श्री, शैलेन्द्र तिवारी, दिनेश सिंह, गौरव चौधरी, हम्माम वहीद, सुभाष पाल, सुरेश कनौजिया, बीपी अशोक, प्रो राम बदन बौद्ध, अभिमन्यु विश्वकर्मा, सर्वेश श्रीवास्तव, मो शफीक, सुरेन्द्र कालिया, आशीष शीवास्तव, कमलेश तिवारी, अतुल वर्मा आदि भारी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।



विस चुनाव से पहले सियासत से गरमाया पंजाब

कांग्रेस व भाजपा का सवाल, निशाने पर आप



- » सीबीआई के कार्रवाई से पंजाब में बवाल
- » इग को लेकर भी उठते रहे सवाल
- » आप बोली- केंद्र व विपक्षी दल कर रहे झूठे प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अगले साल पंजाब में विस चुनाव है। वहां की सियासी सरगर्मी बढ़ गई। अभी तक इग को लेकर विपक्ष के निशाने पर रही आप व सीम मान अब अपने ओएसडी को घिरते नजर आ रहे हैं। भाजपा, कांग्रेस व अकाली दल हर मंच से आप पर निशाना साध रहे हैं। जबकि आप इसे साजिश बता रही है।

आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र सरकार पर बड़ा षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को यह खुलासा किया। उन्होंने बताया कि भाजपा की केंद्र सरकार जुलाई 2026 से पंजाब में आप को बदनाम कर चुनाव हराने की साजिश रच रही थी। इस योजना के तहत 19 जुलाई 2026 से 15 सितंबर 2026 तक आप मुख्यालय के पते पर 58 फर्जी कंपनियां पंजीकृत की गईं। भाजपा सरकार की योजना थी कि चुनाव से ठीक पहले आप पर इग तस्करों से करोड़ों रुपये लेने का झूठा आरोप लगाया जाए।

विपक्षी राज्यों को निशाना बना रही केंद्र सरकार : सीएम मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले विपक्षी दलों की सरकार वाले राज्यों को निशाना बनाने के लिए बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के विस एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। यह आरोप तब लगाया गया जब सीबीआई ने भ्रष्टाचार के एक मामले में उनके ओएसडी (विशेष कार्याधिकारी) से जुड़ी जगहों पर छापेमारी की। मान ने कहा कि इस कार्रवाई से पता चलता है कि चुनाव

वाले राज्य में बीजेपी का चुनावी अभियान शुरू हो गया है। सीबीआई ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश पर मान के ओएसडी राजबीर घुमन और पांच अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने आरोपियों से जुड़ी कई जगहों पर छापेमारी की, जिसमें मुख्यमंत्री का कैप ऑफिस भी शामिल था। हुनर पंजाब पोर्टल लॉन्च होने के बाद पत्रकारों से बात करते

हुए मान ने कहा, बीजेपी ने अपना चुनावी अभियान शुरू कर दिया है। उनका तरीका यही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी किसी ऐसे राज्य में चुनाव होने वाले होते हैं जहाँ बीजेपी की सरकार नहीं है, तो केन्द्रीय एजेंसियां महीनों पहले ही छापेमारी शुरू कर देती हैं। उदाहरण देते हुए मान ने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनावों से कुछ महीने पहले प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने ममता बनर्जी के करीबी सहयोगियों के यहां

छापेमारी की थी। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली चुनावों से पहले फर्जी घोटाले के मामले में आप नेताओं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड चुनावों से पहले हेमंत सोरेन के यहां छापेमारी हुई थी, और हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में चुनावों से पहले वहां के कांग्रेस नेताओं के यहां भी छापेमारी की गई थी।

आप सरकार और पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल पंजाब को लूट रहे : जाखड़

भाजपा नेता सुनील कुमार जाखड़ ने कहा आप सरकार और पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पंजाब को लूटने का आरोप लगाया। नेता ने कहा, यह कमीशन पंजाब को लूटने के मकसद से बनाया गया था... हमारे पास पहले से ही एक काबिल व्यक्ति है जिसे दिल्ली के लोगों ने पंजाब पर थोपा है खुद मिस्टर केजरीवाल आईआईटी से हैं... मकसद पंजाब को लूटना है। वे सभी नॉन-स्टेट एक्टर्स हैं—ठीक वैसे ही जैसे पाकिस्तान ऐसे ऑपरेटिव्स को भेजता था जिन्हें पकड़े जाने पर वह अपना मानने से इनकार कर देता था और कहता था कि



उनका कोई संबंध नहीं है। वे नॉन-स्टेट एक्टर्स थे; ये मिस्टर केजरीवाल के नॉन-स्टेट एक्टर्स हैं। उनका मकसद पंजाब को लूटना है। बात यह है कि सत्ता में रहने के दौरान चार या पांच सालों में लूट को कैसे ज्यादा से ज्यादा और तेजी से अंजाम दिया जाए—यानी जितना हो सके, उतना लूटा जाए।

सच सामने आना चाहिए : पायलट

पंजाब कांग्रेस के इंचार्ज सचिन पायलट ने कहा कि सच सामने आना चाहिए। यह बात उन्होंने तब कही जब सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन सीबीआई ने पंजाब के मुख्यमंत्री के ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) राजबीर सिंह घुमन और उनके साथियों से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में चंडीगढ़ के सेक्टर 2 में स्थित मकान नंबर 50 पर तलाशी ली। अमृतसर में पत्रकारों से बात करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि पहली बार किसी मौजूदा मुख्यमंत्री के खिलाफ ऐसे सबूत सामने आए हैं, जिनमें फाइलों की कॉपी और चैट शामिल हैं। पायलट ने कहा मैंने आज दुर्गियाना मंदिर में मत्था टेका। मैंने राज्य के लोगों की भलाई और खुशहाली के लिए



प्रार्थना की और ईश्वर से आशीर्वाद व शक्ति मांगी ताकि मैं लोगों की सेवा कर सकूँ। सीबीआई ने यह कार्रवाई हाई कोर्ट के आदेश पर की है। और पहली बार, किसी मौजूदा मुख्यमंत्री के घर से ऐसे सबूत मिले हैं, जिनके बारे में मैंने मीडिया में देखा है। अगर भ्रष्टाचार का इतना बड़ा मामला सामने आया है और उसकी जांच हो रही है, तो सच सामने आना चाहिए, उन्होंने कहा।

इग तस्करों से फर्जी संबंध दिखा पंजाब चुनाव में

बदनाम करने की हो रही साजिश : भारद्वाज

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार प्रचारित करना चाहती थी कि आप सैकड़ों शेल कंपनियां चला रही थी। हालांकि, यह साजिश पकड़ी गई। उन्होंने केंद्र सरकार से जांच कर यह बताने की मांग की कि सरकारी आवास के पते पर 58 जीएसटी पंजीकरण कैसे हो गए। भारद्वाज ने दिल्ली और 2022 के पंजाब चुनाव से पहले आप पर लगाए गए झूठे आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि दिल्ली शराब घोटाले में आरोप पत्र तक दाखिल नहीं हो पाया और 2022 में खालिस्तानी वित्तपोषण का मामला

भी नहीं बना। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आप के राष्ट्रीय दफ्तर, जिसका पता 1, कैनिंग लेन एरिया, नई दिल्ली है, पर 58 कारोबार पंजीकृत किए गए। उन्होंने कहा कि जीएसटी पंजीकरण आसानी से नहीं होता। एक सरकारी बंगले के पते पर कोई निजी कारोबार कैसे पंजीकृत हो सकता है, यह सवाल उठाया गया। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड का ओटीपी सत्यापन, पानी या बिजली का बिल और संपत्ति कर जैसे दस्तावेज चाहिए होते हैं। किराए की जगह के लिए मकान मालिक का किराया समझौता और



अनापति प्रमाण पत्र भी आवश्यक होता है। भारद्वाज ने कहा कि इन 58 कारोबारों के जीएसटी पंजीकरण में विकास चौधरी (ट्रेड

नाम प्रियंका), आशा एंटरप्राइजेज, मोहम्मद अहमद, फैजान अहमद, मोहम्मद असद कुरेशी, अफजल, मोहम्मद दिलशाद, साफिया खानम, सीमा परवीन, काशिफ सिद्दीकी, सरफराज और मोहम्मद फैजान जैसे नाम शामिल हैं। इन सभी का काम-धंधा आयात-निर्यात लिखा गया है। जीएसटी अधिकारी अक्सर कारोबार स्थल का भौतिक सत्यापन भी करते हैं। सौरभ भारद्वाज ने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार सिर्फ एक पार्टी को चुनाव हराने के लिए ऐसा झूठ चलाएगी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा का इरादा

एक महीने तक झूठे खुलासे कर आप को चुनाव हराना था। उन्होंने बताया कि इन पंजीकरणों का पूरा विवरण, तारीख और आधार सत्यापन जीएसटी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस षड्यंत्र में शामिल लोगों और सत्यापन करने वाले अधिकारियों की जांच की मांग की। आप ने शनिवार, 19 सितंबर 2026 को प्रधान मुख्य आयुक्त जीएसटी, व्यापार एवं कर आयुक्त और नई दिल्ली के पुलिस आयुक्त को शिकायत दी है। हालांकि, अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

जब योग्यता हो पैमाना तब भेदभाव क्यों हो

66

हरियाणा की रहने वाली सुमित्रा ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के करनाल स्थित एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में हेल्पर पद के लिए आवेदन किया था. वे निर्धारित योग्यता पूरी करती थीं. चयन प्रक्रिया के अंतिम 49 उम्मीदवारों में उनका नाम शामिल था. इनमें से 43 पुरुष उम्मीदवारों को नियुक्ति दे दी गई, लेकिन सुमित्रा को केवल इसलिए नकार दिया गया क्योंकि वे महिला थीं

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक भेदभाव और सदियों पुरानी रूढ़िवादी सोच पर एक सख्त टिप्पणी की है, इससे भारत के सामाजिक और श्रम बाजार के ढांचे पर गंभीर बहस शुरू हो गई है। यह मामला सिर्फ चार दशक पुरानी एक कानूनी लड़ाई के पटाक्षेप भर का नहीं है, बल्कि यह इस बात का ज्वलंत प्रमाण है कि हमारे समाज में सुरक्षा और संरक्षण के छद्म आवरण के पीछे महिलाओं को समान अवसरों से वंचित करने की मानसिकता कितनी गहरी रही है। इसे बदलने की कितनी सख्त जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट के सामने आया यह ऐतिहासिक मामला 1988 का है। हरियाणा की रहने वाली सुमित्रा ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के करनाल स्थित एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में हेल्पर पद के लिए आवेदन किया था। वे निर्धारित योग्यता पूरी करती थीं। चयन प्रक्रिया के अंतिम 49 उम्मीदवारों में उनका नाम शामिल था। इनमें से 43 पुरुष उम्मीदवारों को नियुक्ति दे दी गई, लेकिन सुमित्रा को केवल इसलिए नकार दिया गया क्योंकि वे महिला थीं और उनके काम में भारी एलपीजी सिलेंडर उठाना शामिल था।

अदालत ने इस संकीर्ण सोच पर गहरा प्रहार करते हुए सवाल उठाया कि जब भारत के करोड़ों घरों में महिलाएं खुद भारी-भरकम गैस सिलेंडर उठाती हैं, उसे बदलती हैं और रोजमर्रा के कठिन कार्य करती हैं, तो किसी संगठित नौकरी में केवल महिला होने के आधार पर उन्हें अयोग्य कैसे माना जा सकता है? करीब चार दशक लंबी कानूनी जंग के कारण सुमित्रा की नौकरी की उम्र निकल चुकी थी, इसलिए शीर्ष अदालत ने उन्हें 12 लाख रुपये का एकमुश्त मुआवजा देने का निर्देश दिया। अदालत का यह फैसला केवल आर्थिक राहत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामंती मानसिकता पर करारा आघात है, जो किसी व्यक्ति की कार्यक्षमता का मूल्यांकन उसके कौशल, प्रशिक्षण और योग्यता के बजाय उसके लिंग के आधार पर करती है। भारतीय समाज और नीतिगत ढांचे में महिलाओं को जोखिम से बचाने और जोखिम का हवाला देकर उन्हें अवसरों से वंचित करने के बीच हमेशा से एक पतली रेखा रही है। अक्सर सुरक्षा और संरक्षण के नाम पर महिलाओं को कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों से दखल से पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। हालांकि इसका तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि खतरनाक या जोखिम भरे कामों में सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों को नजरअंदाज किया जाए। लेकिन किसी भी काम के जोखिम को कम करने के लिए आधुनिक तकनीक, उचित प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण मुहैया कराना प्रबंधन और तंत्र की जिम्मेदारी है न कि इसके नाम पर महिला उम्मीदवारों के लिए रोजगार के दरवाजे ही बंद कर देना। यदि किसी काम के लिए आवश्यक योग्यता और शारीरिक क्षमता का मापदंड तय है, तो उस पर खरा उतरने वाले हर नागरिक, चाहे वह पुरुष हो या महिला को समान अवसर मिलना चाहिए।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अभिनय से बड़ी उनकी इंसानियत की विरासत

हेमंत पाल

सोशल मीडिया पर कॉमेडी रील देखते हुए अंत में एक चेहरा सामने आता है। जोर-जोर से हंसता हुआ, आंखों में शरारत और चेहरे पर वही बेतकल्लुफी, जिसे देखते ही 'वेलकम' के उदय शेट्टी की याद आ जाती है। यह चेहरा नाना पाटेकर का है। कभी इस चेहरे पर दर्शक हंसे थे, कभी इसकी आंखों में गुस्सा देखकर सहमे थे और कभी इसकी आवाज में छिपी पीड़ा ने उन्हें भीतर तक छुआ था। अब यह चेहरा असल दुनिया से विदा हो गया। नाना ने अपने पीछे अभिनय से कहीं बड़ी इंसानियत की विरासत छोड़ी है। नाना पाटेकर दुनिया से चले गए, लेकिन उनका चेहरा शायद ही कभी हमारी स्मृतियों से विदा होगा। फिल्मों में वे जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गूँजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे।

मगर नाना को सिर्फ अभिनेता के रूप में याद करना उनके व्यक्तित्व से न्याय नहीं होगा। उन्होंने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका उन्होंने जिंदगी में निभाई। पर्दे पर वे कठोर थे, आक्रामक थे, व्यवस्था को चुनौती देते थे, कभी अपराधी बने, कभी सैनिक व कभी विद्रोही नायक। लेकिन कैमरा बंद होने के बाद वही आदमी उन लोगों के बीच खड़ा दिखाई देता, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था। नाना पाटेकर को याद करते हुए सबसे पहले उनकी आवाज सुनाई देती है—भारी, खुरदुरी और सीधे दिल में उतर जाने वाली। फिर उनका चेहरा सामने आता है। कभी गुस्से से तना हुआ, कभी व्यवस्था से लड़ता, कभी किसी को चुनौती देता और कभी अचानक खिलखिलाकर हंसता हुआ। हिंदी और मराठी सिनेमा में उन्होंने ऐसे किरदारों को जन्म दिया, जिन्हें केवल अभिनय से नहीं, अपने पूरे व्यक्तित्व से जिया। 'परिदा' का अन्ना हो, 'प्रहार' का कठोर सैनिक, 'क्रांतिवीर' का प्रताप हो या 'तिरंगा' का तेवर— नाना ने हर किरदार

को अपनी आवाज, आंखों और देहभाषा से ऐसा रूप दिया कि वह चरित्र अभिनेता से बड़ा होकर सिनेमा की स्मृति का हिस्सा बन गया।

फिर वही नाना 'वेलकम' में उदय शेट्टी बनकर सामने आए तो उनकी अभिनय क्षमता का दूसरा सिरा भी दिखाई दिया। जिस अभिनेता को देखकर दर्शक 'परिदा' और 'क्रांतिवीर' में सहम सकते थे, वही 'वेलकम' में अपनी अजीबो-गरीब हंसी, अंदाज और संवादों से लोगों को हंसाता रहा। उनकी खासियत थी कि वे किसी एक खांचे में फिट होने वाले अभिनेता नहीं थे। उनके भीतर गुस्सा भी था, करुणा भी;



कठोरता भी थी और हास्य भी। नाना पाटेकर का फिल्मी सफर 1978 की 'गमन' से शुरू हुआ। 'अंकुश' ने उन्हें पहचान दी और 'परिदा' ने उनके अभिनय को नई ऊंचाई तक पहुंचाया। इसके बाद 'प्रहार', 'तिरंगा', 'क्रांतिवीर', 'खामोशी', 'अग्निसाक्षी', 'अब तक छप्पन', 'नटसम्राट' और 'वेलकम' जैसी फिल्मों ने उनके अभिनय के विविध रंग सामने रखे। उन्होंने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से लेकर 2013 में पद्मश्री सम्मान तक हासिल किया। लेकिन पुरस्कारों की लंबी सूची उस नाना को पूरी तरह परिभाषित नहीं कर सकती, जिसे उनके चाहने वाले एक बेहद सादा और संवेदनशील इंसान के रूप में याद करते हैं। नाना एक संवेदनशील इंसान थे। महाराष्ट्र के किसानों की त्रासदी ने उन्हें भीतर तक झकझोरा। विदर्भ और

मराठवाड़ा के सूखे इलाकों में जब किसानों की आत्महत्याओं की खबरें लगातार सामने आ रही थीं, तब उन्होंने केवल दुख जताने तक खुद को सीमित नहीं रखा। वे गांवों में गए, किसानों से मिले, उनके परिवारों के बीच बैठे और उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश की। किसान परिवारों की सहायता के लिए काम शुरू किया, जो आगे चलकर 'नाम फाउंडेशन' के रूप में सामने आया। यह नाना की जिंदगी का शायद सबसे बड़ा अध्याय था। जिस आदमी को सिनेमा ने करोड़ों लोगों की पहचान दी, उसने उस पहचान को अपने लिए नहीं, जरूरतमंदों तक पहुंचने के

लिए इस्तेमाल किया। यहीं नाना पाटेकर अपने फिल्मी किरदारों से कहीं बड़े दिखाई देते हैं। पर्दे पर उन्होंने ऐसे किरदार निभाए, जो अपने गुस्से और तेवर से व्यवस्था को चुनौती देते थे। असल जिंदगी में उन्होंने उन लोगों का साथ देने की कोशिश की, जो व्यवस्था की सबसे कमजोर सीढ़ी पर खड़े थे। शायद इसलिए उनकी सामाजिक भूमिका उनके अभिनय से अलग नहीं थी। दोनों के पीछे एक ही चीज काम करती थी—अन्याय और पीड़ा को देखकर भीतर से बेचैन हो जाना।

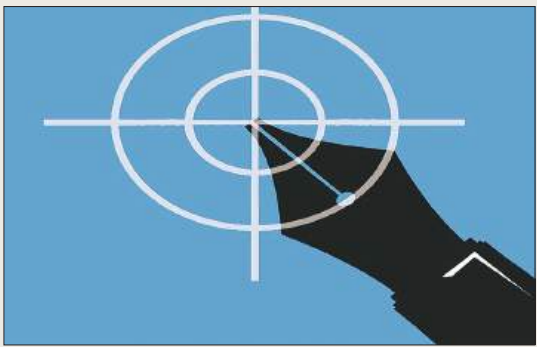
नाना को दिखावे से हमेशा दूरी रही। उनका रहन-सहन सादा रहा। बातचीत में भी बनावटीपन नहीं था। यही वजह थी कि उन्हें देखकर लगता था कि यह व्यक्ति पर्दे पर जितना बड़ा अभिनेता है, निजी जिंदगी में उतना ही सहज इंसान है।

विश्वनाथ सचदेव

एक था जमाना, जब भारत के चुनाव आयोग का डंका सारी दुनिया में बजता था। हमारे चुनाव आयुक्तों को दुनिया के अलग-अलग देशों में बुलाया जाता था, ताकि वे वहां जाकर निष्पक्ष चुनाव कराने के तौर-तरीके समझा सकें। और आज यह स्थिति हो गई है कि हमारा अपना चुनाव आयोग कटघरे में है। हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस में हुए एक खुलासे ने मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर-तरीके और चुनाव आयोग की निष्पक्षता, दोनों पर सवालिया निशान लगा दिया है। लेकिन, विडंबना यह भी है कि जहां एक ओर मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा मांगा जा रहा है, वहीं एक वर्ग ऐसा भी है, जो उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान-भारत रत्न—से विभूषित करने की मांग कर रहा है। यह परस्पर विरोधी स्थिति देश की चिंता का विषय होनी चाहिए। चुनाव आयोग जैसे संस्थान का निष्पक्ष होना ही नहीं, निष्पक्ष दिखना भी जरूरी है।

आज जो कुछ दिख रहा है, वह इस संदर्भ में आश्चर्य तो नहीं ही करता। गेंद आयोग के पाले में है और उसे ही अपनी विश्वसनीयता प्रमाणित करनी होगी। यह काम कब होता है और कैसे होता है, इस पर देश की निगाहें लगी हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता वाले इस प्रकरण ने एक और जरूरी मुद्दे को भी चर्चा का विषय बना दिया है— यह मुद्दा प्रेस या मीडिया की विश्वसनीयता का है। विश्वसनीयता मीडिया की सबसे बड़ी ताकत है और यह एक चिंताजनक सच्चाई है कि हमारा मीडिया विश्वसनीयता के तराजू पर खरा उतरने में लगातार कमजोर सिद्ध हो रहा है। जहां एक ओर मीडिया कुछ निहित स्वार्थों का शिकार बनता दिख रहा

भरोसा बनाए रखने की हो ईमानदार कोशिश



है, वहीं मीडिया के एक वर्ग पर सरकार की गोद में बैठने का आरोप भी है और स्थिति यह बन गई है कि देश के मीडिया का एक बड़ा हिस्सा 'गोदी मीडिया' के नाम से जाना जा रहा है! इसी स्थिति का परिणाम है कि आज हमारे मीडिया के समक्ष अपनी साख की रक्षा करना एक चुनौती बना हुआ है और प्रिंट मीडिया हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दोनों ही क्षेत्रों में स्थिति बिगड़ती नजर आ रही है। ऐसे में, जब चुनाव आयोग के कथित 'घोटाले' का समाचार सामने आया, तो मीडिया की दुनिया में एक हलचल-सी मच गई। कुछ लोगों को इसमें मीडिया के लिए उम्मीदों की किरण दिखाई देने लगी है।

यह अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि कम-से-कम एक अखबार ने कुछ ऐसा कर दिखाया, जिससे मीडिया की विश्वसनीयता का मुद्दा उभरकर सामने आया है। चुनाव आयोग में गड़बड़ी को उजागर करने वाला समाचार अखबार और संवाददाता, दोनों के प्रयास को साहसिक बनाता है। मुद्दा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की साख और जनता के भरोसे को बचाए रखने

का है और चुनाव आयोग के इस प्रकरण ने कम-से-कम इतना तो बता ही दिया है कि यदि ईमानदारी से कोशिश की जाए, तो इस दिशा में निश्चित रूप से कुछ उल्लेखनीय किया जा सकता है। संबंधित अखबार और पत्रकार दोनों बधाई के पात्र हैं, पर इसकी प्रशंसा कर देना मात्र ही पर्याप्त नहीं है।

इसे एक शुरुआत के रूप में ही देखा जाना चाहिए। बहरहाल, हमारे आज के मीडिया परिदृश्य की स्थिति बहुत ज्यादा उत्साह नहीं बढ़ाती। और वर्तमान प्रकरण यह भी बताता है कि यह स्थिति चिंताजनक है। एक ओर बाजार की ताकत हमारे मीडिया को कमजोर सिद्ध कर रही है और दूसरी ओर विज्ञापनों के लिए सरकार पर निर्भरता हमारे मीडिया की विवशता को उजागर करती है। यह हकीकत अपने आप में बहुत कुछ कहने वाली है कि हमारा मीडिया बाहरी दबाव की संसरशिप का शिकार बना हुआ है। दबाव बाहरी है, पर संसरशिप कुल मिलाकर भीतरी ही है। मीडिया-मालिक सत्ता और विज्ञापनदाताओं को नाराज करने का खतरा मोल नहीं लेना चाहते, इसलिए चौकीदार की अपनी भूमिका भी

उन्हें याद नहीं रहती। 'नहीं रहती' कहना उचित नहीं होगा; हकीकत यह है कि वे इस बात को याद रखना ही नहीं चाहते। इसीलिए, जब कोई एक अखबार या मीडिया-घराना इस तरह की खबर चलाता है, जैसी इंडियन एक्सप्रेस ने छापी, तो यह एक विशेष घटना बन जाती है, जबकि होना यह चाहिए कि मीडिया में इस तरह की पहल लगातार होती दिखे। पर आज की स्थितियों को देखते हुए यही लगता है कि यह आशा करना एक खुशफहमी ही है। आज के हमारे मीडिया की एक सच्चाई यह भी है कि आम जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दे पत्रकारिता की मुख्यधारा की चर्चाओं से लगभग बाहर हो चुके हैं। रोजगार, कृषि-संकट, शिक्षा की स्थिति जैसे मुद्दे शायद ही कभी मुख्य चर्चाओं का हिस्सा बनते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रोज-रोज होने वाली शाम की बहसें कुल मिलाकर एक निरर्थक शोर बनकर रह गई हैं। इनमें भाग लेने वाले लगातार इस कोशिश में रहते हैं कि उनकी आवाज़ विरोधी की आवाज़ पर भारी पड़े। शोर मचाने की इस प्रतियोगिता में गंभीर विचार-विमर्श के लिए शायद ही कहीं कोई स्थान बच पाता है। सवाल पूछना पत्रकारिता का धर्म है और कड़े सवाल पूछना समय और समाज की आवश्यकता। मीडिया की मुख्यधारा ने इस धर्म और इस आवश्यकता को जैसे भुला ही दिया है। यही कारण है कि जब कोई पत्रकार ऐसा कुछ करता है, जैसा इंडियन एक्सप्रेस की पत्रकार ने किया, तो वह बेहतर कल की आशा की किरण लगने लगता है। यह किरण लगातार दिखती रहे, इसके लिए क्या किया जा सकता है? इस प्रश्न का पहला और सर्वाधिक महत्वपूर्ण उत्तर तो यह है कि संपादकीय स्वतंत्रता और नैतिकता को फिर से स्थापित करने का ईमानदार प्रयास हो।

ॐ दुर्गाय नमः

इस बार मां हाथी पर पधारेंगी



हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि मां दुर्गा की आराधना करने से जीवन में आ रही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। साल 2026 में शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 11 अक्टूबर, रविवार से हो रही है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हर वर्ष नवरात्रि के समय देवी दुर्गा अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर आती हैं। इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर अपने भक्तों के घर पधारेंगी। हाथी की सवारी को अत्यंत शुभ और मंगलकारी मानी जाती है। इसे समृद्धि, उन्नति और शांति का प्रतीक माना गया है। शरद नवरात्रि त्योहार पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र समेत कई क्षेत्रों में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। बंगाल, बिहार और उड़ीसा के पूर्वी हिस्सों में, दुर्गा पूजा को सेलीब्रेट किया जाता है। इस त्योहार के दौरान भक्त देवी दुर्गा और उनके नौ अवतारों का पूजा-अर्चना करते हैं। दसवें दिन को दशमी के रूप में मनाया जाता है। बता दें कि साल में चार नवरात्रि होती हैं, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शरद नवरात्रि सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाई जाती है।

शारदीय नवरात्रि का महत्व

सनातन धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। अश्विन मास में शरद ऋतु का प्रारंभ हो जाता है, इसलिए इसे शारदीय नवरात्रि कहा जाता है। यह पर्व मां दुर्गा के 9 रूपों को समर्पित है। इस दौरान मां दुर्गा की पूजा-अर्चना व व्रत



करने से साधक के सभी दुख-संताप दूर होते हैं। साथ ही मां दुर्गा की कृपा से साधक की सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं। नौ दिनों के दौरान, देवी दुर्गा अपने भक्तों के साथ रहने के लिए पृथ्वी पर आती हैं। कई भक्तजन इस दौरान मांसाहारी भोजन और शराब का सेवन करने से बचते हैं। कुछ भक्त इन नौ दिनों में व्रत भी रखते हैं जिसमें सात्विक भोजन खाया जाता है।

शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 10 अक्टूबर को रात 09:19 बजे से शुरू होगी और 11 अक्टूबर को रात 09:30 बजे समाप्त होगी। घटस्थापना (कलश स्थापना) शुभ मुहूर्त 11 अक्टूबर को प्रातः 6:10 मिनट से 10:27 बजे तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त (दोपहर): दोपहर 12:01 बजे से दोपहर 12:49 बजे तक रहेगा।



शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन कलश स्थापना के बाद मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। शारदीय नवरात्रि में कलश स्थापना या घट स्थापना का विशेष महत्व माना जाता है। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन या कलश स्थापना के बाद ही मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलश स्थापना करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही मां दुर्गा के आशीर्वाद से धन-धान्य की कोई कमी नहीं होती। कलश स्थापना के दौरान इसमें नारियल भी रखा जाता है। इससे घर के सदस्यों को आरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही इससे पूजा बिना किसी बाधा के पूरी होती है।

नवरात्रि में क्यों नहीं खाया जाता लहसुन-प्याज

हिंदू धर्म में नवरात्रि ही नहीं बल्कि किसी भी व्रत में लहसुन-प्याज का सेवन वर्जित माना जाता है। शुरुआत से ही लहसुन-प्याज को तामसिक प्रकृति का भोज्य पदार्थ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसके सेवन से अज्ञानता और वासना में बढ़ोतरी होती है। वहीं इसका दूसरा कारण है कि लहसुन-प्याज जमीन के नीचे उगते हैं। इनकी सफाई के दौरान कई सूक्ष्मजीवों की मृत्यु भी होती है। इसलिए भी इन्हें व्रत के दौरान खाना अशुभ माना जाता है। ये अशुद्ध श्रेणी में आते हैं। इसके पीछे पौराणिक कथा है जिसके अनुसार, समुद्र मंथन में अमृत कलश निकला था। जिसे प्राप्त करने के लिए

देवताओं और असुरों की बीच युद्ध छिड़ गया था। उस दौरान भगवान विष्णु ने असुरों और देवताओं में अमृत को समान रूप से बांटने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। लेकिन देवताओं की पंक्ति में राहु-केतु ने बैठकर अमृत पान कर लिया। जब भगवान विष्णु को इस बात का

पता चला तो उन्होंने सुदर्शन चक्र से राहु-केतु का सिर धड़ से अलग कर दिया। कहा जाता है इससे निकली खून की बूंदें पृथ्वी पर पड़ीं और इन्हीं बूंदों से लहसुन-प्याज की उत्पत्ति हुई। इसलिए किसी भी पूजा पाठ में लहसुन-प्याज का सेवन करने से परहेज किया जाता है।



हंसना मना है

एक औरत अपनी कुछ परेशानियों को लेकर एक बाबा के डेरे में पहुंची। बाबा ने सारी परेशानियों को बड़े गौर से सुना। फिर बोले बेटी... इसका हल निकल जाएगा, सब ठीक हो जाएगा, लेकिन इसके लिए कुछ खर्च आएगा। औरत ने पूछा- कितना खर्च आएगा? बाबा- तुमसे मैं ज्यादा तो नहीं ले सकता, लेकिन पुराणों के अनुसार हमारे कुल 33 करोड़ देवी देवता हैं, बस सबके नाम से एक-एक पैसा दान कर देना। औरत ने मन ही मन कैलकुलेट किया तो बाबा के हिसाब से कुल खर्च 33 लाख

रुपये आता था, औरत भी चालाक थी। उसने कहा ठीक है बाबाजी, आप बारी-बारी से सबका नाम लीजिए, मैं एक-एक पैसा रखते जाऊंगी। बाबा डेरे में ही बेहोश हो गए।

पड़ोसन- बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है, कितने का पड़ा? दूसरी महिला- ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना धोना, पड़ोसन- अभी मैं भी अपने पति से रूठ जाती हूं।

कहानी

राजा और मूर्ख बंदर

बहुत पुरानी बात है, एक राजा के पास पालतु बंदर था। राजा उस बंदर पर बहुत विश्वास करता था, क्योंकि वह बंदर राजा का भक्त था। बंदर राजा की पूरे मन से सेवा करता था, लेकिन बंदर बिल्कुल मूर्ख था। उसे कोई भी काम ठीक से समझ नहीं आता था। राजा जब भी विश्राम करता बंदर उसकी सेवा के लिए हाजिर हो जाता था। उसके लिए हाथ पंखा चलाता था। एक दिन की बात है, जब राजा सो रहा था और बंदर उसके लिए पंखा झल रहा था, तभी एक मक्खी भिन भिनाते हुए राज के ऊपर आकर बैठ जाती है। बंदर उस मक्खी को पंखे से बार-बार भागने की कोशिश करता है, लेकिन मक्खी उड़कर कभी राजा की छाती पर, कभी सिर पर, तो कभी जांघ पर जाकर बैठ जाती थी। मूर्ख बंदर काफी समय तक ऐसे ही मक्खी को भागने की कोशिश करता रहा, लेकिन मक्खी वहां से जाने का नाम ही नहीं ले रही थी। यह देखकर बंदर को क्रोध आ जाता है और वह पंखा छोड़कर तलवार निकाल लेता है। जब मक्खी राजा के माथे पर बैठती है, तो बंदर तलवार लेकर राजा की छाती पर चढ़ जाता है। यह देख कर राजा काफी डर जाता है। फिर मक्खी माथे से उड़ जाती है, तो बंदर उसे मारने के लिए हवा में तलवार चलता है। इसके बाद मक्खी राजा के सिर पर जाकर बैठ जाती है, तो बंदर के तलवार से राजा के बाल कट जाते हैं और जब मूँछ पर बैठती है, तो मूँछ कट जाती है। यह देख राजा कमरे से जान बचाकर भागता है और बंदर तलवार लेकर उसके पीछे भागता है। इससे पूरे महल में उथल-पुथल मच जाती है। कहानी से सीख: इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी मूर्ख को ऐसा काम न सौंपे, जो बाद में आपके लिए ही खतरा उत्पन्न कर दें।

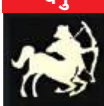
7 अंतर खोजें



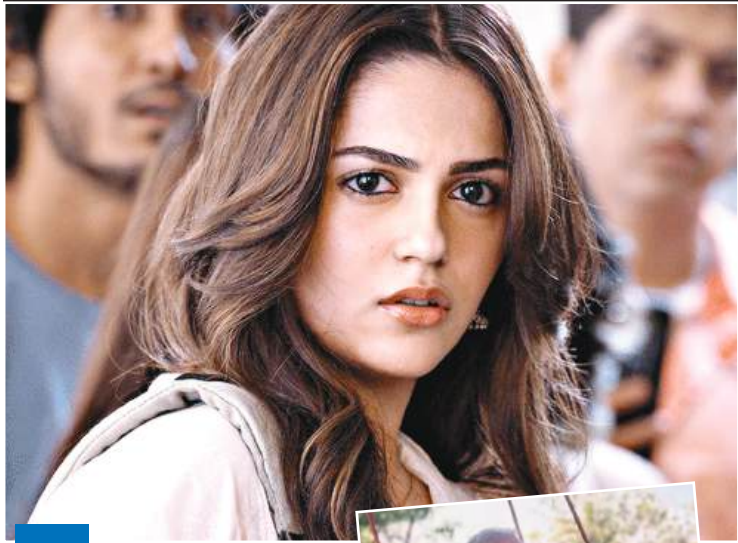
जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

मेघ 	कार्यक्षेत्र में संयम रखें, सहकर्मियों से सहयोग लें। व्यापारिक निर्णय सोच-समझकर ही लें। परिवार में छोटी बातों पर ध्यान न दें। आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है।	तुला 	कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास रंग लाएंगे। व्यापार में धन प्राप्ति के योग हैं। दौलत जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सेहत अच्छी रहेगी, ताजगी रहेगी।
वृषभ 	कार्यस्थल पर सम्मान और प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में नए साझेदार मिलने से लाभ होगा। प्रेम जीवन में सुख और स्पष्टता रहेगी। वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर होगी।	वृश्चिक 	कार्यस्थल पर आपकी बात को तवज्जो मिलेगी। व्यापार में तेजी का रुख रहेगा, लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। अचानक वित्तीय लाभ मिल सकता है।
मिथुन 	कार्यक्षेत्र में प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। व्यापार में मनमाफिक सफलता मिलेगी। रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। पारिवारिक आय में वृद्धि के योग स्पष्ट हैं।	धनु 	नौकरी में नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। व्यापारिक विस्तार की सोच सफल होगी। संतान पक्ष से सुखद समाचार मिलेगा। आय के साधन मजबूत होंगे।
कर्क 	नौकरी में एकाग्रता से लाभ होगा। व्यापार में लेनदेन सावधानी से करें। संतान के काम से मन प्रसन्न रहेगा। धन की बचत पर ध्यान दें। सेहत सामान्य रहेगी, दिनचर्या ठीक रखें।	मकर 	कार्यक्षेत्र में संयम और शांति रखें। व्यापार में लिखापट्टी पर ध्यान दें। परिवार में बड़ी की सलाह काम आएगी। अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं। फुर्ती बनी रहेगी।
सिंह 	करियर में नए द्वार खुल सकते हैं। व्यापार में बड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। परिवार का पूर्ण समर्थन प्राप्त होगा। आर्थिक लाभ की अच्छी संभावनाएं हैं।	कुम्भ 	कार्यस्थल पर आपकी रणनीति सफल होगी। व्यापार में नए सौदों से फायदा होगा। मित्रों के साथ समय बीतेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।
कन्या 	कार्यस्थल पर विरोधी शांत रहेंगे। व्यापार में जल्दबाजी में निर्णय न लें। परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। अनावश्यक व्यय से दूर रहना होगा।	मीन 	आपकी वाणी से काम आसान होगा। व्यापार में मुनाफा होगा, नए रास्ते खुलेंगे। परिवार में शुभ कार्य की योजना बनेगी। धन बचाने का प्रयास सफल होगा।

नाना को याद कर भावुक हुई अनीत



हाल ही में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नाना पाटेकर का निधन हो गया। उनके निधन पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने शोक जताया है। इस लिस्ट में अब सैयारा फेम अभिनेत्री अनीत पट्टा का नाम जुड़ गया है। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म शक्ति शालिनी के साथी कलाकार नाना पाटेकर को याद किया है। उन्होंने एक भावुक पोस्ट लिखी और कलाकार से सीखी गई चीजों के बारे में बताया। अनीत पट्टा ने नाना पाटेकर के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए लिखा, जब मैं पहली बार नाना पाटेकर सर से मिली, तो मैं मुश्किल से ही कुछ बोल पाई। मुझे लगता है कि मैं बस उस पल को महसूस कर रही थी। इतने ईमानदार, बेबाक और बिना किसी दिखावे के खुद जैसे रहने वाले व्यक्ति के सामने बैठना अपने आप में एक अनोखा अनुभव था। अभिनेत्री ने नाना की जिंदगी और सिनेमा को देखने के अनोखे नजरिए के बारे में भी बात की। उन्होंने लिखा वह ऐसे इंसान थे जिन्होंने अपनी शर्तों पर जिंदगी जी, शोहरत के शोर के बजाय सादगी को चुना और आपको याद दिलाया कि असल में कलाकार होने का क्या मतलब होता है। उन्हें बोलते हुए सुनना, काम करते हुए देखना और बस उनके आस-पास रहना, एक ऐसा सबक था जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। अनीत ने आगे लिखा, अपने करियर की शुरुआत में ही उनसे मिलना और फिर



उनके साथ काम करना, ऐसी बात है जिसके लिए मैं हमेशा शुरुगुजार रहूंगी। उन्हें बस देखते हुए ही मैंने बहुत कुछ सीखा और पीछे मुड़कर देखती हूँ तो एहसास होता है कि वे पल कितने कीमती थे। उनकी आखिरी फिल्मों में से एक मेरे साथ थी, यह सोचकर आज भी मेरे पास शब्द नहीं होते। यह सब किसी सपने जैसा लगता है। अभिनेता को श्रद्धांजलि देते हुए अनीत ने लिखा, मैं शुरुगुजार हूँ कि हमारे रास्ते मिले, भले ही कुछ समय के लिए। मैं इस अनुभव को जिंदगी भर अपने साथ रखूंगी। रेस्ट इन पीस, सर।



टीवी शो 'पंड्या स्टोर' की एक्ट्रेस सिमरन बुधरूप ने हाल ही में मुंबई में अपने साथ हुई एक परेशान करने वाली घटना का खुलासा किया। एक्ट्रेस के मुताबिक, एक शख्स ने उन पर हमला किया। सिमरन ने सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो शेयर किया और बताया कि उस दौरान उनके साथ क्या हुआ। सिमरन ने अपनी पोस्ट में बताया कि एक शख्स उनसे भिड़ने लगा। एक्ट्रेस के अनुसार, उस शख्स ने उन्हें छुआ और उनका फोन फेंक दिया। जब उन्होंने चिल्लाकर उसे दोबारा ऐसा न करने के लिए कहा, तो उसने फिर से उनका फोन फेंक दिया। सिमरन ने कहा, मैंने पुलिस को बुलाया और मुझे बताया गया कि मैं शिकायत दर्ज नहीं करा सकती,

**बदसलूकी
से ट्रॉमा में पंड्या
स्टोर एक्ट्रेस
सिमरन बुधरूप**

क्योंकि मेरा फोन टूटा नहीं था और कोई नुकसान नहीं हुआ था। लेकिन सच कहूँ तो बात यह नहीं है। बात यह है कि किसी भी पुरुष को गुस्से में होने के कारण किसी महिला को छूने का अधिकार नहीं है। किसी को भी आपको डराने या असह्य महसूस कराने का अधिकार नहीं है। घटना के बाद सिमरन ने अपने फैंस को अपनी स्थिति के बारे में बताने के लिए एक और वीडियो शेयर किया। उन्होंने बताया कि वह शारीरिक रूप से ठीक हैं, लेकिन इस घटना ने उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाला और उन्हें बेचैनी महसूस होने लगी। एक्ट्रेस ने कहा, कल की घटना के बारे में लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं ठीक हूँ या नहीं। बस आपको बताना चाहती हूँ कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ, पूरी तरह ठीक हूँ। हालांकि, मुझे कुछ बहुत अजीब सपने आए, जिनमें मैं मानव तस्करी जैसी स्थिति में फंस गई थी और न जाने क्या-क्या। क्योंकि इस घटना ने निश्चित रूप से मेरे दिमाग और मेरी मानसिक स्थिति पर असर डाला है। सिमरन ने उस शख्स की पत्नी की ओर से लगाए गए आरोपों पर भी बात की। बताया जा रहा है कि उस महिला ने दावा किया था कि सिमरन ने विवाद के दौरान वॉचमैन को गालियाँ दी थीं।

शेखर सुमन अपने शो शेखर टुनाइट के लिए जाने जाते हैं। इस शो में उनका एक सेगमेंट होता है, जहां वो सरकार पर व्यंग करते हैं। एक एपिसोड में उन्होंने केंद्र सरकार पर व्यंग करते हुए सवाल उठा दिए थे, जिसपर काफी बवाल भी हुआ था। ये मौका नीट पेपर लीक पर हुए तगड़े विवाद का था, जिसमें शेखर ने सरकार पर बातों ही बातों में निशाना साध दिया था। अब उन्होंने इसपर खुलकर बात की है। शेखर सुमन ने कहा, जब उन्होंने केंद्र सरकार पर ही सवाल उठा दिए थे। पहले उनसे पूछा गया कि वो अपना ये व्यंग से भरा शो शेखर टुनाइट एक नए अंदाज के साथ जब ला रहे थे, तब क्या उन्हें डर नहीं लगा? तो इसपर एक्टर ने सीधा जवाब दिया- जो डर गया, वो घर गया। जो सच है, उसे सच की तरह ही दिखाएं। इस इंटरव्यू में आगे शेखर सुमन की एक लाइन का भी जिक्र किया गया, जिसमें वो कह रहे थे कि अगर सवाल पूछने वाला दिमागी नक्सल होता है, तो हाँ मैं हूँ दिमागी नक्सल। इसपर एक्टर-प्रोड्यूसर ने कहा- अगर क्लास का मॉनिटर गलती करेगा, तो स्टूडेंट बिलबिलाते हुए उसी से तो पूछेंगे ना,

और किससे पूछेंगे। मॉनिटर कोई भी हो, उससे फर्क नहीं पड़ता है। इसके बाद उनके शो की एक और लाइन कोट की गई, जिसमें वो कह रहे थे कि अगर मौजूदा सरकार की रफतार देखनी है, तो वहां देखें जहां माननीय मोदी जी पर बनाया कोई मजाकिया वीडियो इंटरनेट से हटाया हो। इसपर सफाई देते हुए शेखर सुमन बोले- हो रहा है, ये सब को दिख रहा है। काउंटेबिलिटी-जिम्मेदारी भी तो किसी की होनी चाहिए। चाहे कोई और होता, बात तो यही होती कि कोई एक जगह से वीडियो अपलोड करता है और दूसरे पल वो वीडियो दूसरी जगह से हटाया जाता है। लेकिन बात ये है कि जब जनता पर इसका असर पड़ता है, तब वो विद्रोह करती है। जनता अपनी आवाज उठाती है और इतिहास इन दोनों बातों को कभी नहीं भूलता।



सवाल पूछने वाला दिमागी नक्सल होता है, तो हाँ मैं हूँ दिमागी नक्सल : शेखर

कंगना रनौत ने भारत में स्टारलिक लाइसेंसिंग प्रोसेस की एलन मस्क की आलोचना पर चल रही बहस पर रिएक्शन दिया है और एक्टर कमल हासन के जवाब का सपोर्ट किया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर हासन की बातों की तारीफ की। दरअसल हासन ने भारत की रेगुलेटरी आजादी का बचाव करते हुए कहा कि राष्ट्रीय नीतियां अरबपतियों या विदेशी हितों के हिसाब से तय नहीं होनी चाहिए। उन्होंने किफायती सैटेलाइट इंटरनेट, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय सुरक्षा के उपायों की जरूरत पर भी जोर दिया। उनकी यह टिप्पणी तब आई जब मस्क ने भारत में स्टारलिक को काम करने का लाइसेंस देने में हो रही देरी पर सवाल उठाए थे। एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भारत में चल रहे स्टारलिक लाइसेंसिंग विवाद के बीच एलन मस्क को कमल हासन के जवाब पर प्रतिक्रिया दी है। X पर रनौत



एलन मस्क पर बरसे कमल हासन तो कंगना रनौत ने किया सपोर्ट



ने एक्टर-राजनेता की बातों की तारीफ की और अपनी नीतियां तय करने के भारत के अधिकार पर उनकी राय से सहमति जताई। हासन की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना ने लिखा, ओह!! यह तो चुभने वाली बात है, और फिर मस्क को संबोधित करते हुए कहा, किसी भी अरबपति को किसी देश की नीति तय नहीं करनी चाहिए-चाहे वह भारत हो या अमेरिका। बहुत अच्छी बात कही और बहुत अच्छे से समझाया। तीखा, सटीक और व्यंग्यात्मक।

अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3 इस साल 2026 की बेस्ट क्राइम ड्रामा फिल्म बन चुकी है। वहीं, बॉक्स ऑफिस पर भी इसका जादू देखने के लिए खूब मिल रहा है। फिल्म ने बंपर कमाई की है। इसकी रिलीज को 8 दिनों का ही वक्त हुआ है और इसने इंडिया ही नहीं बल्कि दुनियाभर में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3 ने जहां इंडिया में 250 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है वहीं, इसने दूसरे फाइंडे के कलेक्शन के बाद दुनियाभर में भी 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसके बाद ये साल 2026 की पांचवी मोस्ट प्रॉफिटबल फिल्म भी बन चुकी है। चलिए बताते हैं इसका कलेक्शन।



दृश्यम 3 दुनियाभर में 400 करोड़ के पार

इसके साथ ही दृश्यम 3 ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर भी रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। ये साल 2026 की चौथी हाईएस्ट ग्रांसिंग फिल्म भी बन चुकी है। इसने ये रिकॉर्ड इंडिया और वर्ल्डवाइड दोनों ही बनाया है। सैकनलिक के अनुसार, फिल्म ने 7वें दिन ओवरसीज में 89 करोड़ का कलेक्शन किया था। जबकि दुनियाभर में फिल्म ने 383.60 करोड़ कमाए

थे। ऐसे में अब 8वें दिन की कमाई के बाद फिल्म ने 400 करोड़ के बलब में एंट्री मार ली है। सैकनलिक के अनुसार, फिल्म ने ओवरसीज में 95 करोड़ तो वर्ल्डवाइड 407 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। कोईमोई के अनुसार, दृश्यम 3 का बजट 110 करोड़ है। जबकि सैकनलिक के अनुसार, फिल्म ने 7 दिनों में वर्ल्डवाइड 383.60 करोड़ कमाए, जिस लिहाज से फिल्म का टोटल प्रॉफिट 248.73प्रतिशत रहा था। ऐसे में 8वें दिन 407 करोड़ के कलेक्शन के हिसाब से फिल्म का प्रॉफिट 270प्रतिशत हो गया है।

ज्ञानेश कुमार जाएंगे और यह सरकार भी : राहुल

» राहुल गांधी बोले- राष्ट्रपति ने मांगे वोट चोरी के सबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग में कथित गड़बड़ियों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की इस्तीफे की मांग से शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां एक तरफ केंद्र सरकार विपक्ष के आरोपों को खारिज करते मामले में सफाई देने में लगी है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष लगातार निशाना साध रहा है। इसी बीच लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए एक बार फिर ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि ज्ञानेश कुमार जाएंगे। यह सरकार जाएगी। फिर शुरू होगी लोकतंत्र की मरम्मत। आपको बता दें कि यह वीडियो पुराने संसद भवन में आयोजित एक कार्यक्रम की है।

कांग्रेस नेता ने इंडिया गठबंधन के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे कई राज्यों की वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। नाम

नेता प्रतिपक्ष बोले- फिर शुरू होगी लोकतंत्र की मरम्मत

इंडिया गठबंधन एकजुट है : ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू विपक्ष की चिंताओं पर गौर करने के लिए तैयार हो गई हैं और उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से सबूत देने को कहा है। बनर्जी ने कहा, हमने एक ज्ञापन

सौंपा है। उन्होंने सरकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा कि वह जांच करेगा वह विवरण देखेंगी और उन्हें सबूत चाहिए। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल

इकट्ठा की गई सामग्री सौंपेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन एकजुट है और 60 प्रतिशत से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट जाएगा इंडिया गठबंधन

कांग्रेस नेता ने यह भी घोषणा की कि गठबंधन सोमवार को सुप्रीम कोर्ट जाएगा, भारत के मुख्य न्यायाधीश से मिलेगा और मेमोरेडम सौंपेगा। उन्होंने कहा, हम सोमवार को सुप्रीम कोर्ट जाकर भारत के मुख्य न्यायाधीश से मिलेंगे और उन्हें मेमोरेडम सौंपेंगे। खरगे ने कहा कि विपक्ष ने चुनाव आयोग के कामकाज पर चिंता जताई है और उस पर कथित वोट चोरी में शामिल होने का आरोप लगाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि चुनाव ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से कराए जाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने नेताओं से उनके आरोपों के समर्थन में सबूत देने को कहा है और विपक्षी गठबंधन इस संबंध में जानकारी जुटा रहा है। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप भी लगाया।

रिविजन को रोकने, पेपर बैलेट व्यवस्था को फिर से लागू करने और पिछले दो सालों में हुए उन विधानसभा चुनावों को रद्द करने की मांग की गई है, जिनमें विपक्ष का दावा है कि वोट चोरी के सबूत मिले हैं। यह बैठक तब हुई जब विपक्षी सांसदों ने संसद भवन से राष्ट्रपति भवन तक मार्च किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें विजय चौक पर रोक दिया। कई नेताओं ने उस जगह पर धरना दिया, जबकि प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति से मिलने आगे बढ़ गया।

प्रोटेस्ट के बीच चुनाव आयोग ने फॉर्म 7 को लेकर बदले नियम

» अब अधिकतम 10 बार ही भरने की होगी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फॉर्म 6 में बदलाव के बाद अब भारत निर्वाचन आयोग ने फॉर्म 7 को लेकर भी बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अब कोई भी व्यक्ति इस फॉर्म को अधिकतम 10 बार ही भर सकेगा। बता दें कि यह फॉर्म किसी मतदाता के नाम को जोड़े जाने पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए होता है या फिर नया नाम जुड़वाने के लिए होता है। इस फॉर्म के आधार पर जांच करने के बाद बीएलओ फैसला लेता है कि संबंधित नाम को हटाना या जोड़ना है। कर्नाटक के कई निर्वाचन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए जाने की कांग्रेस की शिकायत के बाद ये सीमाएं तय की गई हैं।

इनमें बल्लारी भी शामिल है, जहां कथित तौर पर बीजेपी के एक कार्यकर्ता ने फॉर्म 7 के तहत 7,561 आवेदन जमा किए थे। ये सीमाएं ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों तरीकों से व्यक्तिगत मतदाताओं द्वारा किए जाने वाले आवेदनों पर लागू होंगी। बता दें कि पहले व्यक्तिगत रूप से भौतिक फॉर्म 7 भरने की कोई तय सीमा या लिमिट नहीं थी। कोई भी पंजीकृत मतदाता थोक में कितने भी फॉर्म 7 जमा कर सकता था। हालांकि, ऑनलाइन माध्यम से एक बार में आवेदन करने की सीमा 6 फॉर्म तक ही सीमित थी। रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स 1960 के नियम 13(2) के अनुसार, किसी निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति या नाम हटाने के लिए आवेदन केवल वही व्यक्ति कर सकता है जिसका नाम उस निर्वाचन क्षेत्र की सूची में शामिल हो।

दिल्ली को जम्मू-कश्मीर बना दिया है: राउत

» शिवसेना (यूबीटी) के सांसद बोले- पीएम के तौर पर मोदी का यह आखिरी जन्मदिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने दिल्ली में काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली को जम्मू-कश्मीर बना दिया गया है और प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे लोगों को रोका जा रहा है। इसके साथ ही संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी का यह आखिरी जन्मदिन था। संजय राउत ने कहा कि करीब 15 हजार गाड़ियां फंसी हुई हैं और ट्रेनों व विमानों को रोका जा रहा है।



उन्होंने कहा कि ट्रेन से प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे लोगों को भी रोका जा रहा है। संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि वे 56 इंच का सीना होने की बात करते थे, लेकिन अब उन्हें किसका डर है? उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को ही नहीं पता कि राजधानी में क्या हो रहा है। वहीं शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय

अगले छह महीनों में गिर जाएगी सरकार

संजय राउत ने दावा किया कि केंद्र सरकार टिकने वाली नहीं है, अगले छह महीनों में गिर जाएगी। यह जनता का विद्रोह है सरकार इसे रोक नहीं सकती, इस सरकार का पतन शुरू हो चुका है। इसी वजह से प्रदर्शनकारियों को रोका जा रहा है। इस सरकार में शासक नहीं, बल्कि व्यापारी हैं। अमित शाह को जनता के विद्रोह की कोई परवाह नहीं है। संजय राउत ने कहा कि जब अंग्रेज अपने देश लौटे थे, तब एक वैकल्पिक सरकार बनी थी, ठीक वैसे ही अब भी सरकार बन सकती है।

राउत ने अपने बयान में नाना पाटेकर के एक डायलॉग का जिक्र करते हुए विवादित टिप्पणी की। इसके साथ ही संजय राउत ने दिल्ली पुलिस से केंद्र सरकार के अवैध आदेशों का पालन न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वपक्ष के खिलाफ दमनकारी शक्ति का प्रयोग किया जा रहा है, आपातकाल के दौरान भी यही स्थिति थी।

भारत के 249 रन पर भारी पड़े होप-रदरफोर्ड

» वेस्टइंडीज ने किया टी20 का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चैज, संजू की मेहनत गई बेकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। संजू सैमसन की 82 रन की विस्फोटक पारी और श्रेयस अय्यर-तिलक वर्मा की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर भारत ने 249 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, लेकिन इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड की तूफानी पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को छह विकेट से हरा दिया। रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 250 रन का लक्ष्य

18.3 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

यह पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड है। कसान शाई होप 45 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाकर लौटे,

जबकि रदरफोर्ड ने 37 गेंदों में 84 रन की पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी कर भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। सैमसन ने 41 गेंदों में 82 रन बनाए। और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज के

रिकॉर्ड की विराट कोहली के साथ बराबरी की। इशान ने 43 रन बनाए। इसके बाद अय्यर और तिलक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते



श्रेयस की कप्तानी में रुका जीत का अभियान

श्रेयस की कप्तानी में भारत ने इससे पहले लगातार 10 मैच जीते थे। जुलाई 2026 से शुरू हुआ ये अभियान नौ अक्टूबर को थम गया। श्रेयस के पास कप्तान के तौर पर सर्वाधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाने का मौका था, लेकिन वह इससे चूक गए। रोहित शर्मा के नाम टी20 में कप्तान के तौर पर लगातार सर्वाधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड है। रोहित की कप्तानी में भारत ने नवंबर 2019 से जुलाई 2022 तक लगातार 14 टी20 मुकाबले जीते थे।

हुए भारतीय पारी को मजबूती दी। अय्यर ने 40 रन बनाए, जबकि तिलक वर्मा ने 44 रन ठोके। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की। 250 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के मयंक यादव ने पावरप्ले में ही तीन विकेट झटक लिए। लेकिन इसके बाद होप और रदरफोर्ड ने मैच का रुख पलट दिया।

घबराई सरकार तानाशाही पर उतर आई

देश के हर कोने में जनता आंदोलन के समर्थन में आई, विपक्षी नेताओं को जगह-जगह रोका गया, दिल्ली जाने वाले रास्ते पर जबरदस्त बैरिकेडिंग | आप, सीपीआई दलों, टीएमसी, शिवसेना यूबीटी व कांग्रेस ने भी खोला मोर्चा, फिल्मी दिग्गजों ने भी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीजेपी के आंदोलन में पूरा देश शामिल हो गया है यूपी, पंजाब, मप्र से लेकर दक्षिणी राज्यों में लोग सीजेपी के पक्ष में उतर रहे हैं। लोगों के हुजूम को देखते हुए राज्यों की पुलिस मुस्तैद हो गई है। जगह-जगह छापेमारी करके सीजेपी कार्यकर्ताओं समेत आम लोगों को प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है।

दिल्ली जाने वाले बार्डर राज्यों के रास्तों को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। कई ट्रेनों व बसों का संचालन रद्द कर दिया गया है। उधर सीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी पर पूरे विपक्ष ने एनडीए की मोदी सरकार को घेर लिया। वहीं विपक्ष के कई नेताओं को डिटेन कर लिया गया है। विपक्षी दलों ने कहा कि सरकार घबरा गई और तानाशाही कर रही है।



सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद बंद रहे मेट्रो स्टेशन

दिल्ली में कॉकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के मद्देनजर मेट्रो स्टेशन बंद रखने के मामले में शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गई। याचिकाकर्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के नौ अक्टूबर के निर्देश का पालन नहीं किया। याचिका में केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन समेत अन्य अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि कथित तौर पर अदालत के आदेश की अवहेलना करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा था कि 10 अक्टूबर को प्रदर्शन के कारण दिल्ली आने वाली मेट्रो और भारतीय रेलवे की ट्रेनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जय्यमलया बागची न्यायमूर्ति वी मोहन की पीठ ने कहा था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियां जरूरी कदम उठा सकती हैं, लेकिन आम नागरिकों को बेवजह परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

बुदा करात, पिनारई विजयन, जॉन ब्रिटास सहित सीपीआई के 9 नेता डिटेन : जंतर-मंतर की तरफ मार्च निकालने की कोशिश कर रहे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के 9 नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जिन नेताओं को डिटेन किया गया है। उनमें बेबी, बुदा करात, पिनारई विजयन, जयराजन, गोविंदन, शैलजा, बालगोपाल और जॉन ब्रिटास शामिल हैं। सीपीआई ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से सोशल मीडिया पोस्ट कर हिरासत की जानकारी दी है। कम्युनिस्ट पार्टी ने लिखा, सीजेपी नेता अनिजित दीपके को दिल्ली एयरपोर्ट पर ही हिरासत में ले लिया गया, इससे पहले कि वे विरोध प्रदर्शन वाली जगह तक पहुंच पाते। ध्रुव राठी को गुरुग्राम में हिरासत में लिया गया। सीजेपी नेता सौरव दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया।

ज्ञानेश कुमार से कौन सवाल करेगा : सीपीआईएम

सीपीआईएम ने कहा, उनका गुनाह क्या था? चुनाव आयोग के खिलाफ लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली आना। मोदी सरकार अब यह तय करना चाहती है कि दिल्ली में कौन आ सकता है, कौन विरोध कर सकता है और कौन ज्ञानेश कुमार से सवाल पूछ सकता है। कम्युनिस्ट पार्टी ने चुनाव आयोग और सीईसी ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधा है। सीपीआईएम ने कहा कि चुनाव आयोग का बचाव अब इसी स्तर पर आ गया है। सीपीआईएम ने मांग की कि लोकतंत्र को तुरंत बहाल किया जाए। ज्ञानेश कुमार को हटना ही होगा।



हालात इमरजेंसी से भी बदतर हैं : अरविंद केजरीवाल

जंतर-मंतर पर कॉकरोज जनता पार्टी (कांजपा) के प्रदर्शन से पहले दिल्ली में की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं और कई लोगों को हिरासत में लिए जाने के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी (आप) ने केन्द्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि देश में 'काला आपातकाल' जैसी स्थिति पैदा कर दी गई है आप के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल, दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने अलग-अलग बयान जारी कर कहा कि लोकतांत्रिक विरोध को दबाने के लिए अबतक कदम उठाए जा रहे हैं।



सौरभ का आरोप- केजरीवाल का घर किले में बदला



आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल के आवास को दिल्ली पुलिस ने पूरी तरह घेर लिया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल जी के घर को दिल्ली पुलिस ने किले में बदल दिया है। देश में अघोषित आपातकाल लागू कर दिया गया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल जी के घर को दिल्ली पुलिस ने किले में बदल दिया है। देश में अघोषित आपातकाल लागू कर दिया गया है।

युवाओं के शांतिपूर्ण प्रदर्शन से प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बेहद घबराए हुए हैं : जयराम

कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि युवाओं के शांतिपूर्ण प्रदर्शन से "प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बेहद घबराए हुए हैं। पार्टी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयोग ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा देना "नैतिक रूप से जरूरी" हो गया है। विपक्षी दल ने यह भी कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर रोक लगाना जरूरी है, क्योंकि इसके कारण पहले ही करीब 14 करोड़ भारतीय मतधिकार से वंचित हो चुके हैं। उसने कहा कि एसआईआर पर रोक से चुनाव प्रणाली में लोगों का विश्वास बहाल करने में मदद मिलेगी। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि देश की राजधानी को किले में तब्दील कर दिया गया है और हर जगह हथियारबंद



सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। रमेश ने 'एक्स' पर कहा, "प्रधानमंत्री और गृह मंत्री (नरेन्द्र मोदी-अमित शाह) की जोड़ी युवाओं के शांतिपूर्ण प्रदर्शन से बुरी

तरह घबराई और बैकललाई हुई है। ये युवा संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मिले अपने मतधिकार को छीनने की सुनियोजित कोशिश को लेकर गहरी चिंता में हैं।" उन्होंने कहा कि इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि मुख्य निर्वाचन आयोग (सीईसी) कुमार ने अपनी नियुक्ति के समय उन्हें "विनाशकारी जोड़ी" की ओर से दिए गए निर्देशों का पूरी तरह पालन किया। रमेश ने कहा कि दिसंबर 2023 में उन्हें आजीवन कानूनी संरक्षण देने वाला कानून संसद में विपक्ष के 145 सांसदों को निलंबित किए जाने के दौरान जबरन पारित कराया गया था। कांग्रेस नेता

नाए अंग्रेजों से जंग : पप्पू यादव

बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के संघर्ष की तारीफ की है। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों से राहुल गांधी गेट चोरी और छात्रों के मुद्दों पर, जबकि प्रियंका गांधी लोकतंत्र, संविधान और मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही हैं। पप्पू यादव ने कहा कि अब देशभर का विपक्ष एकजुट है और बच्चों के साथ जेनजी तथा जेन अलफा जैसी नई पीढ़ियां



मी लोकतंत्र की लड़ाई में शामिल हो रही हैं। उन्होंने इस संघर्ष को नाए अंग्रेजों और तानाशाही के खिलाफ युद्ध करार दिया। सांसद पप्पू यादव ने मौजूदा राजनैतिक हालात की तुलना औपनिवेशिक दौर से करते हुए कहा कि यह लड़ाई नाए अंग्रेजों और तानाशाही सरकार के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के संघर्ष को लेकर झर रहा है और अब बच्चों तथा युवाओं की भागीदारी से भी उसे चिंता हो रही है।

दो डरपोक, 40 हजार गुलाम : अनुराग

बलीवुड के कई दिग्गजों ने इस प्रोटेस्ट को अपना समर्थन दिया है। वहीं इस बीच अपनी बेबाक राय रखने के लिए जाने जानेवाले फिल्ममेकर और एक्टर अनुराग कश्यप ने सरकार पर निशाना साधा है। बता दें कि सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच अनुराग



कश्यप ने अपने इस्टा पर पोस्ट कर सरकार पर इनडायरेक्टली तीखा हमला किया है अनुराग कश्यप ने आपनी पोस्ट में लिखा है, दो डरपोक, 40 हजार गुलाम, लाखों बेहादुर अनुराद कश्यप की ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।



दिल्ली-एनसीआर में जाम से वाहनों की लंबी कतारें, हजारों लोग फंसे

दिल्ली-एनसीआर में प्रमुख हाईवे व मार्गों पर भीषण जाम लग गया है। जाम लगने से हजारों लोग फंस गए हैं। हालांकि, रोजाना के मुकाबले आज दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर कम लोग ही दिख रहे हैं। रजोकरी बॉर्डर से सरहल बॉर्डर तक भीषण जाम लग गया है। यहाँ पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। यूपी गेट पर दिल्ली पुलिस द्वारा वाहनों की जांच की जा रही है। इस वजह से एनएच-9 की सर्विस रोड पर जाम लग गया है। दिल्ली पुलिस ने बटूरपुर प्लाईओवर को बंद किया है। वाहन नीचे से गुजरे रहे हैं। हाईवे पर जाम की स्थिति बनी हुई है, जिस वजह से वाहनों की लंबी कतार लग गई है।



प्लाईओवर वाले रास्ते पर टायर बस्टर लगाए गए हैं